प्रेस विज्ञप्ति

लोक भवन, राँची

दिनांक : 22 नवम्बर, 2026 :-

(1) माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने झारखण्ड विधानसभा के स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर सभी माननीय सदस्यों से सदन की कार्यवाही में नियमित रूप से उपस्थित रहने तथा जनहित से जुड़े विषयों पर सक्रिय और सार्थक भागीदारी निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विधानसभा में उठने वाले प्रश्नों में जनता की समस्याएँ, अपेक्षाएँ और आकांक्षाएँ प्रतिबिंबित होती हैं। इसलिए सदस्यों की उपस्थिति और सक्रिय सहभागिता लोकतांत्रिक व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि विधानसभा लोकतंत्र का वह महत्वपूर्ण मंदिर है, जहाँ जनता की आकांक्षाएँ विचारों का रूप लेती हैं और सार्थक विमर्श के माध्यम से जनकल्याण की नीतियाँ एवं कानून बनते हैं। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच स्वस्थ संवाद एवं रचनात्मक विमर्श लोकतंत्र को मजबूत बनाते हैं। राजनीतिक जीवन में मतभेद स्वाभाविक हैं, लेकिन वे मनभेद में नहीं बदलने चाहिए। सदन की मर्यादा और

संसदीय परंपराओं का सम्मान करना सभी जनप्रतिनिधियों का दायित्व है। विधानसभा की सार्थकता केवल पारित विधेयकों से नहीं, बल्कि राज्य की जनता के जीवन में आए सकारात्मक बदलाव से तय होती है।

माननीय राज्यपाल ने इस अवसर पर विधानसभा के वर्तमान एवं पूर्व सदस्यों, अधिकारियों, कर्मियों तथा प्रदेश की जनता को स्थापना दिवस की 26वीं वर्षगाँठ पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि झारखण्ड का गठन लंबे संघर्ष, जनआकांक्षाओं और असंख्य लोगों के त्याग एवं प्रयासों का परिणाम है। 15 नवंबर, 2000 को अलग राज्य के रूप में झारखण्ड राज्य का उदय हुआ। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी के नेतृत्व वाली तत्कालीन केंद्र सरकार ने इस ऐतिहासिक जनआकांक्षा को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उस समय केंद्र सरकार में मंत्री एवं लोकसभा सांसद के रूप में उन्हें राज्य गठन की ऐतिहासिक प्रक्रिया का साक्षी बनने का अवसर मिला।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि झारखण्ड की पहचान इसकी प्राकृतिक संपदा, जनजातीय विरासत, सांस्कृतिक विविधता और मेहनतकश जनता में निहित है। खनिज एवं वन संपदा, कृषि, पर्यटन, उद्योग और युवा मानव संसाधन राज्य की बड़ी ताकत हैं। इन संसाधनों का संतुलित, पारदर्शी और दूरदर्शी उपयोग करते हुए शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास

और रोजगार के अवसरों का विस्तार करना आवश्यक है, ताकि विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँच सके। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में देश 'विकसित भारत@2047' के लक्ष्य की ओर आगे बढ़ रहा है। इस लक्ष्य को साकार करने में झारखण्ड जैसे प्राकृतिक संसाधनों और युवा शक्ति से समृद्ध राज्य की महत्वपूर्ण भूमिका है। विकास का वास्तविक अर्थ है कि बच्चों को अच्छी शिक्षा, युवाओं को रोजगार के अवसर, किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य तथा महिलाओं को सुरक्षा और सम्मान मिले।

माननीय राज्यपाल ने अपने सार्वजनिक जीवन के अनुभव साझा करते हुए कहा कि वे आठ बार बरेली से लोकसभा के सदस्य निर्वाचित हुए। इस दौरान उन्होंने जनता की समस्याओं को सुनने और उनके समाधान के लिए प्रयास करने को सदैव प्राथमिकता दी, हमेशा प्रयास किया कि उनसे मिलने आने वाला प्रत्येक व्यक्ति अपनी बात रख सके। उनकी जीवनशैली एवं कार्यशैली में आज भी यही भावना बनी हुई है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में सबसे बड़ा पद जनता का विश्वास है और जनप्रतिनिधि की सबसे बड़ी उपलब्धि उस विश्वास पर खरा उतरना है।

राज्यपाल महोदय ने इस अवसर पर झारखण्ड विधानसभा के सर्वश्रेष्ठ विधायक के रूप में सम्मानित श्री

निरल पूर्ति जी को बधाई दी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह सम्मान अन्य सदस्यों को भी सदन की गरिमा बनाए रखने और जनहित के प्रति अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने के लिए प्रेरित करेगा। उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों से लोकतांत्रिक परंपराओं और संवैधानिक मूल्यों को सर्वोपरि रखते हुए स्वस्थ संवाद एवं रचनात्मक सहयोग के साथ झारखण्ड को विकास, सुशासन और सामाजिक न्याय के मार्ग पर आगे ले जाने का आह्वान किया।

(2) माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार आज कृष्णानगर कॉलोनी, रातू रोड, राँची स्थित गुरुद्वारा मैदान (बिरला मैदान) में गुरु नानक देव जी के पावन प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य पर आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर उन्होंने गुरुद्वारा में मत्था टेककर श्रद्धा निवेदित की तथा लंगर में प्रसाद ग्रहण किया।

राज्यपाल महोदय ने सभी को प्रकाश पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि गुरु नानक देव जी की शिक्षाएँ सत्य, समानता, प्रेम, करुणा और निःस्वार्थ सेवा का संदेश देती हैं। उनका जीवन और दर्शन आज भी पूरी मानवता को मार्गदर्शन प्रदान करता है।